श्रीलक्ष्मणाचार्य की संस्कृत रचना नामरामायण से...

॥ बालकाण्डः ॥

शुद्धब्रह्मपरात्पर राम ॥ कालात्मकपरमेश्वर राम ॥
शेषतल्पसुखनिद्रित राम ॥ ब्रह्माद्यमरप्रार्थित राम ॥
चण्डकिरणकुलमण्डन राम ॥ श्रीमद्दशरथनन्दन राम ॥
कौसल्यासुखवर्धन राम ॥ विश्वामित्रप्रियधन राम ॥
घोरताटकाघातक राम ॥ मारीचादिनिपातक राम ॥
कौशिकमखसंरक्षक राम ॥ श्रीमदहल्योद्धारक राम ॥
गौतममुनिसम्पूजित राम ॥ सुरमुनिवरगणसंस्तुत राम ॥
नाविकधावितमृदुपद राम ॥ मिथिलापुरजनमोहक राम ॥
विदेहमानसरञ्जक राम ॥ त्र्यम्बककार्मुकभञ्जक राम ॥
सीतार्पितवरमालिक राम ॥ कृतवैवाहिककौतुक राम ॥
भार्गवदर्पविनाशक राम ॥ श्रीमदयोध्यापालक राम ॥
राम राम जय राजा राम। राम राम जय सीता राम ॥

॥ अयोध्याकाण्डः ॥

अगणितगुणगणभूषित राम ॥ अवनीतनयाकामित राम ॥
राकाचन्द्रसमानन राम ॥ पितृवाक्याश्रितकानन राम ॥
प्रियगुहविनिवेदितपद राम ॥ तत्क्षालितनिजमृदुपद राम ॥
भरद्वाजमुखानन्दक राम ॥ चित्रकूटाद्रिनिकेतन राम ॥
दशरथसन्ततचिन्तित राम ॥ कैकेयीतनयार्थित राम ॥
विरचितनिजपितृकर्मक राम ॥ भरतार्पितनिजपादुक राम ॥
राम राम जय राजा राम । राम राम जय सीता राम ॥

क्रमशः...

नामरामायण संस्कृत में ऋषि वाल्मीकि द्वारा विरचित महाकाव्य रामायण का लघु संस्करण है। इसके रचयिता श्रीलक्ष्मणाचार्य हैं। नामरामायण में वाल्मीकिरामायण के ही समान बाल, अयोध्या, किष्किन्धा, सुंदर, युद्ध और उत्तर काण्ड हैं। उपर्युक्त सात काण्डों में वर्गीकृत इस ग्रंथ में भगवान् राम के संपूर्ण जीवनचरित्र को 108 नामों के माध्यम से चित्रित किया गया है। नामरामायण दक्षिण भारतीय राज्यों अर्थात् तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और केरल में अधिक लोकप्रिय है। प्रस्तुत अंक में नामरामायण के बालकाण्ड एवं अयोध्याकाण्ड उद्धृत हैं।